वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 264 | रविवार 21 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मानवीय मूल्यों की रक्षा करने में अधिवक्ताओं का अहम योगदान

न्याय के मंदिर में सभी पक्षकारों को मिलना चाहिए न्याय: भजनलाल शर्मा

★ बनीपार्क स्थित सेशन कोर्ट परिसर में दी बार एसोसिएशन जयपुर का शपथ ग्रहण समारोह
★ मुख्यमंत्री और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को दिलाई शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ के रूप में न्यायपालिका अहम भूमिका निभा रही है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर संविधान निर्माण तक में अधिवक्ताओं के महत्वपूर्ण योगदान से ही आज दुनिया में भारतीय न्यायपालिका का बड़ा सम्मान है। यह सुखद परिणाम अधिवक्ताओं द्वारा समाज हित में किए कार्यों से ही सम्भव हो सका है।

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को दी बार एसोसिएशन जयपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज में अधिवक्ताओं को बहुत ऊंचा दर्जा प्राप्त है। ये समाज के बीच रहकर उनकी परेशानियों से परिचित रहते हैं और उनको समय पर न्याय दिलवाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करते हैं।

साथ ही, समाज को जोड़ने का कार्य भी करते है। शर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं को मानवीय मूल्यों की रक्षा करते हुए सेवाभाव के साथ पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने का कर्तव्य निभाना चाहिए। साथ ही, व्यक्तिगत की बजाय समाज हित में न्याय के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्याय के मंदिर में सभी पक्षकारों को न्याय मिलना सुनिश्चित करे। अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभाव में आए व्यक्ति की मदद करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इससे समाज में उनकी प्रतिष्ठा और अधिक बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ताओं की सुविधा विस्तार सम्बंधित कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। साथ ही, संकल्प पत्र में किए वादों को समय से पहले पूरा कर हर वर्ग तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एम.एम. श्रीवास्तव, जिला न्यायाधीश मेट्रो प्रथम श्रीमती नंदिनी व्यास, मेट्रो द्वितीय बलजीत सिंह, जयपुर जिला ग्रामीण न्यायाधीश अजीत कुमार हिंगड़ सहित नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्य और अधिवक्तागण उपस्थित थे।

जैन मुनि विजयानंद महाराज की तपोस्थली बोलखेड़ा पर हुई समाधि, निकली अंतिम डोल यात्रा

जैन धर्म मे मृत्यु को महोत्सव के रूप में मनाया जाता है : आचार्य वसुनंदी महाराज

बोलखेड़ा. शाबाश इंडिया

जैन दर्शन के अनुसार मृत्यु को महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाता है जिसे उत्तम समाधि मरण कहा जाता है। प्रत्येक श्रमण व श्रावक यही भावना भाता है कि उसका अंत समय गुरु चरणों मे समाधि मरण के साथ हो। जैन सन्त उपसर्ग, दुर्भिक्ष या शरीर के कृश अर्थात बुढापा आ जाने पर समता भाव से शनै शनै समाधि की ओर प्रवत्त होकर समाधि मरण को प्राप्त करते हैं यही उत्कृष्ट है उक्त उद्गार जम्बूस्वामी तपोस्थली पर आचार्य वसुनंदी महाराज ने मुनि विजयानंद महाराज के समाधि मरण पर व्यक्त किये। तपोस्थली के प्रचार प्रभारी संजय जैन बड़जात्या ने अवगत कराया कि आचार्य वसुनंदी महाराज के शिष्य मुनि विजयानंद महाराज ने समाधि पूर्वक मरण को प्राप्त किया तो वही तपोस्थली पर जैन श्रावकों ने अंतिम डोल यात्रा निकाल कर आचार्य संघ सानिध्य में दिवंगत मुनि के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। मुखाग्नि क्षेत्र के अध्यक्ष रमेशचंद्र गर्ग दिल्ली व अजय जैन पश्चिम विहार दिल्ली द्वारा दी गई।

समाधि से पूर्व हुई दिगम्बर मुनि दीक्षा

समाधि मरण से पूर्व क्षुल्लक विजयानंद महाराज सीकरी में उपाध्याय वृषभा नंद महाराज के संघ में विराजमान थे जिन्हें बोलखेड़ा क्षेत्र पर लाया गया। जहां चेतन अवस्था मे आचार्य वसुनंदी महाराज द्वारा संघ की उपस्थिति में दिगम्बर मुनि के संस्कार प्रदान कर दीक्षा प्रदान की गयी तो क्षुल्लक से मुनि विजयानंद नामकरण किया गया।

बड़े धार्मिक विचारों के थे दिवंगत मुनि

80 वर्षीय सन्त ग्रहस्थ अवस्था मे भी बड़े

धार्मिक विचारों के थे मुनि प्रज्ञानंद महाराज ने बताया कि अपने जीवन काल मे 138 वन्दना सम्मेद शिखर सिद्ध क्षेत्र व लगभग 51 वन्दना गिरनार सिद्धक्षेत्र की कर चुके हैं। भिंडर निवासी अंबालाल ने पिता रिखब दास व माता मोहन बाई के आंगन में जन्म लिया। जिन्होंने वर्ष 2021 में आचार्य से तारंगा सिद्ध क्षेत्र गुजरात में क्षुल्लक दीक्षा प्राप्त कर संयम के मार्ग पर अग्रसर हुए थे। अंतिम यात्रा में सीकरी,कामां, पलवल, दिल्ली, महवा आदि स्थानों से जैन श्रद्धालु सम्मिलित हुये।

सिद्धि विनायक मंदिर पर महाआरती में उमड़े श्रद्धालु

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । रामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव समिति, हिंदू युवा वाहिनी व सनातनी बंधुओ के सहयोग से शनिवार सायं रामलीला चौपड़ स्थित सिद्धि विनायक मंदिर पर की गई महाआरती में भारी संख्या में श्रद्धालु उमड पड़े। स्त्री, पुरुषों व बच्चों ने भक्तिपूर्वक भगवान गणेश व हनुमान जी की महाआरती की। इस अवसर पर जहां मंदिर में भव्य रोशनी व सजावट की गई वहीं श्रद्धालुओं ने दीप भी जलाए। गत एक वर्ष से लगातार हनुमान चौक व अन्य मंदिरों पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं गौ सेवा हिंदू युवा वाहिनी द्वारा कराए जा रहे हैं जिसकी प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष में रविवार को भव्य कलश एवं शोभायात्रा दोपहर 2 बजे नवलरामजी की बगीची से निकाली जाएगी जो नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई हनुमान चौक पर पहुंचकर सामूहिक हनुमान चालीसा एवं महाआरती के साथ विसर्जित होगी।

25 जनवरी को निवाई जैन समाज आचार्य विशुद्ध सागर महाराज को चढ़ेगा श्री फल

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा सन्त निवास नसिंया जैन मंदिर पर गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महायतिराज के परम अनुरागी शिष्य चर्या शिरोमणि ज्ञान शिरोमणि अध्यात्म योगी चतुर्थ कालीन चर्या के पालक आचार्य कुंद कुंद स्वामी के बाद समयसार का शंखनाद करने वाले श्रमणाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर महामुनिराज ससंग के प्रवास और आगामी चातुर्मास हेतु अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में श्रीफल चढ़ाकर निवेदन करने हेतु सकल दिगंबर जैन समाज के सभी श्रावकगण के मन में भाव अंकुरित हुए है जिसको लेकर 25 जनवरी को निवाई जैन समाज जयघोष के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं का जत्था अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी प्रस्थान करेगा। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि संत निवास श्री 1008 दिगंबर जैन नसियां मंदिर जी में एक आवश्यक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने आगामी चातुर्मास एवं प्रवास के लिए आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज को अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में श्री फल चढ़ाएं जाने को लेकर बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से श्री महावीर जी जाने का विचार विमर्श कर निर्णय लिया गया। बैठक में महावीर प्रसाद पराणा नवरत्न टोंग्या महेंद्र चंवरिया सुनील भाणजा विमल जौंला पदमचंद पीपलू संजय जैन अशोक सांवलिया पुनित संधी हितेश छाबड़ा राजेश गिन्दोडी पारसमल जैन राजेन्द्र जैन अशोक चंवरिया राजेश जैन त्रिलोक जैन पांडया जम्बू भाणजा शिखरचंद काला मनोज पाटनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जैन धर्म के 16 वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया हर्षोल्लास से

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ चैत्यालय , चंद्र प्रभु नसियां,चंद्रपुरी सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 16 वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम इससे पूर्व श्री का अभिषेक महाशांतिधारा तथा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना के बाद सामूहिक रूप से जयकारों के साथ भगवान शांतिनाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव का अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। उक्त कार्यक्रम कपूर चंद जैन मांदी, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, हेमराज कलवाड़ा,रतन नला, हरकचंद पीपलू,सुरेश मांदी, महेंद्र बावड़ी, रमेश बावड़ी, महावीर प्रसाद लदाना, शिखर मोदी,मोहनलाल सिंघल,टीकम गिंदोडी, पारस मोदी, विनोद कुमार मोदी,राजकुमार मित्तल, ललित मांदी,राजकुमार मांदी, सुनील मोदी, त्रिलोक पीपलू, कमलेश चोधरी, मितेश लदाना तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

साईबर अपराधों की सूचना पुलिस को अविलंब दें: आदिश गंगवाल

नवनियुक्त जिला कलेक्टर डॉ सोम्या झा का साईबर अपराध एवं सुरक्षा विशेषज्ञ आदिश जैन गंगवाल ने की शिष्टाचार भेंट

विमल जौंला.शाबाश इंडिया

टोंक । नवनियुक्त टोंक जिला कलेक्टर डॉ. सोम्या झा का साईबर अपराध एवं सुरक्षा विशेषज्ञ आदिश जैन गंगवाल ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर शिष्टाचार भेंट की एवं देश में खुशहाली की कामना करते हुए नवनियुक्त कलेक्टर सोम्या झा को बधाई देकर शुभकामना दी ।इस दौरान साईबर अपराध एवं सुरक्षा विशेषज्ञ आदिश जैन गंगवाल ने बढते हुए साईबर अपराध को लेकर बताया कि भारत में हर दुसरे तीसरे सेकंड में एक महिला साईबर क्राईम का शिकार बन रही है और सोशल मीड़िया प्लेटफार्म अब लोगो को जोडने का एक नया केन्द्र बन चुका है, जहां हर पल एक महिला की सुरक्षा को चुनौती दी जा रही है।जहां उन्हे ट्रोलिंग, गाली गलौच, धमकी देना, घुरना, बदनाम करना, पीछा करना, बदला लेना एवं अश्लील बातें करना जैसे साइबर क्राईम दुनिया में मौजूद अपराधो का सामना करना पड रहा है। वर्तमान में साइबर क्राईम से महिलाएं डिप्रेशन, हाई ब्लड प्रेशर

जैसी बीमारियों से पीडित हो रही है और उत्पीडन से महिलाओं कों चिंता, हृद्य रोग जैसी विभिन्न बीमारियों की चपेट में ले लिया है। साईबर क्राईम जैसे आपराधिक मामलो को रोकने के लिए सुचना एवं प्रोघोगिकी अधिनियम 2000 के तहत धाराओं का गठन किया गया है। महिलाएं या बालिकाएं ये सोच कर शिकायत दर्ज नही कर पाती है या हिम्मत नही कर पाती है कि उन्हे भय रहता है कि उससे उनकी समाज में बदनामी हो जाएगी। ज्ञात हो कि आदिश जैन गंगवाल साईबर सुरक्षा एवं एथिकल हैकिंग में विशेष शिक्षा प्राप्त कर चुके है और प्रदेश के सबसे युवा साईबर क्राईम इन्वेस्टिगेटर है।

वेद ज्ञान

गलत व्यवहार से बचें...

रुचि का अर्थ है-स्वभाव या आदत। यह व्यक्ति के जन्म लेते ही इसके साथ आती है और जीवन भर इसके साथ रहती है। इसे बदल पाना संभव नहीं होता है। जब रुचि को स्वभाव कहा गया तो यह कह दिया गया कि यह अपरिवर्तनीय है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि जिसका जन्म हुआ है उसका मरण अवश्य होगा। इसी तरह से जिसका मरण होता है उसका जन्म भी अवश्य होता है। इसलिए व्यक्ति का जो स्वभाव होता है वह उसके पिछले जन्म के संस्कारों के साथ जुड़ा होता है और यह स्वभाव सभी का अपना अलग-अलग होता है। यह स्वभाव जब कुत्सित विचारों से प्रभावित होता है, तब चाहे कोई बालक हो, युवक हो, प्रौढ़ हो अथवा वृद्ध हो ऐसा व्यवहार करने लगता है जो न उसके स्वयं के लिए कल्याणकारी होता है और न उसके परिवार और समाज के लिए ही कल्याणकर होता है। ऐसा बालक उद्दंड, क्रोधी और सभी की उपेक्षा करने वाला होता है और वह किसी की भी उपेक्षा करने में संकोच नहीं करता। फिर चाहे उसके माता-पिता ही क्यों न हों। यही उसकी कुरुचि होती है। इसी तरह से जो कुरुचि वृत्ति वाला युवक होता है वह शिक्षा-प्राप्ति के प्रति नितांत रूप से लापरवाह होता और उसके मन में किसी के प्रति भी आदरभाव नहीं होता। फिर चाहे उसे शिक्षा देने वाले उसके गुरुजन ही क्यों न हों। यही नहीं ऐसे स्वभाव वाला युवक अपने सहपाठियों के प्रति निर्मम और युवतियों का अपमान करने में गौरव का अनुभव करने वाला होता है। जब कोई कुरुचिपूर्ण विचारों वाला होता है तो वह अपने धन, विद्या, व्यवसाय आदि को लेकर इतना अहंकारी होता है कि वह किसी को भी अपने बराबर नहीं समझता। सभी को अपने से छोटा मान कर सभी के साथ तिरस्कार भरा व्यवहार करता है। अपने परिवारजनों के प्रति उसके मन में अपनत्व का भाव नहीं होता। पड़ोसियों के सुख-दुख में कभी सम्मिलित नहीं होता और सबसे स्वयं को अधिक बुद्धिमान मानकर ऐंठा-ऐंठा सा बना रहता है। कभी-कभी तो सुबुद्ध कहे जाने वाले और कथित शिक्षित भी अपने ज्ञान का घमंड लेकर दूसरों से तर्क-कुतर्क करता है और दूसरे को नीचा दिखाकर गौरवान्वित होता है।

संपादकीय

पाक-ईरान ने जन्म दिया नए संघर्ष को

पाकिस्तान और ईरान ने एक-दूसरे की जमीन पर हमले कर एक नए संघर्ष को जन्म दे दिया है। हालांकि अब दोनों देश संतुलित प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनका दावा है कि वे इस संघर्ष को आगे नहीं बढ़ाना चाहते। मगर इससे विश्व राजनीति में सरगर्मी बढ़ गई है। ये हमले ऐसे वक्त में हुए हैं, जब दोनों देश अपनी सीमा में सक्रिय अलगाववादी समूहों को खत्म करने के लिए साझा रणनीति पर काम करने के लिए सहमति बना रहे थे। दावोस में

ईरान के विदेश मंत्री जब पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री से मिले तो दोनों ने इसी मसले पर बातचीत की। मगर उसके एक दिन बाद ही ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान इलाके में हमला कर दिया। उसके जवाब में दो दिन बाद पाकिस्तान ने भी ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान वाले इलाके में गोले दाग दिए। दोनों का दावा है कि उन्होंने उन इलाकों में सक्रिय अलगाववादी समूहों को खत्म करने के मकसद से हमला किया, उनका लक्ष्य नागरिक ठिकाने कतई नहीं थे। हालांकि मीडिया रिपोर्टों में खुलासा हुआ है कि इन हमलों में दोनों तरफ के नागरिक भी मारे गए और घायल हुए हैं। हालांकि पाकिस्तान और ईरान के बीच विवाद नया नहीं है। दोनों के बीच करीब नौ सौ किलोमीटर की साझा सीमा है, जिसके दोनों तरफ बलूच समुदाय के लोग रहते हैं और वे दोनों मुल्कों के खिलाफ हैं। वे अपना स्वायत्त शासन चाहते हैं। उन इलाकों में सक्रिय आतंकवादी संगठन दोनों देशों पर हमले करते रहे हैं। पिछले महीने ही जैश अल-अदल आतंकी संगठन ने ईरान के सुरक्षा बलों पर हमला किया था, जिसमें ग्यारह ईरानी पुलिस मारे गए थे। इसी तरह पाकिस्तान पर भी अलगाववादी हमले करते रहे हैं। ईरान का कहना है कि उसके खिलाफ आतंकी गतिविधियां चलाने वाले संगठनों के ठिकाने पाकिस्तान वाले इलाके में हैं। इसलिए उसने उन पर हमला किया। पाकिस्तान ने भी इसी तर्क पर ईरान की जमीन पर हमला किया। जबकि हकीकत यह है कि ईरान के हमले के बाद पाकिस्तान के लोगों में खासी नाराजगी उभरी थी और चुनाव के माहौल में वहां की सरकार उस हमले को नजरअंदाज नहीं कर सकती थी। उसने ईरान पर जवाबी हमला कर दिया। हालांकि अगर दोनों का मकसद आतंकवादी समूहों पर काबू पाना होता, तो साझा रणनीति के तहत आगे बढ़ते। मगर ईरान की मंशा इससे बिल्कुल अलग है। पाकिस्तान पर हमले से पहले उसने इराक और सीरिया की जमीन पर भी गोले दागे थे। इससे साफ है कि वह उस इलाके में अपना वर्चस्व कायम करना चाहता है। विचित्र है कि दोनों देश आतंकवाद के सफाए के नाम पर एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े हो गए हैं, जबकि ये खुद दूसरे देशों में आतंकवाद को बढ़ावा देते रहे हैं। पाकिस्तान की भारत को अस्थिर करने की कोशिशें छिपी नहीं हैं। ईरान को अपने खिलाफ सिर उठाने वाले बलूच विद्रोही तो पसंद नहीं, पर वह खुद इजराइल के खिलाफ लड़ रहे हिजबुल्ला और यमन में होथी विद्रोहियों का खुला समर्थन करता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पढ़ाई का परिदृश्य

शिक्षा का अधिकार कानून बना तो भरोसा जगा था कि न सिर्फ सभी बच्चों तक पढ़ाई-लिखाई की सुविधा का विकास होगा, बल्कि इसके स्तर में भी सुधार होगा। मगर पिछले कुछ वर्षों से शिक्षा संबंधी वार्षिक रपट में यह तस्वीर कुछ निराशाजनक ही देखी जा रही है। प्राथमिक कक्षाओं के दाखिले में जरूर कुछ वृद्धि दर्ज हुई है, मगर चौदह साल से अधिक उम्र के बच्चों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की दर पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। सबसे चिंताजनक स्थिति है कि बच्चों में बुनियादी पाठ तक पढ़ पाने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा। शिक्षा की ताजा वार्षिक रपट में बताया गया है कि चौदह से अठारह वर्ष आयुवर्ग के करीब सतासी फीसद बच्चे शैक्षणिक संस्थानों में पंजीकृत हैं, मगर उनमें से पच्चीस फीसद छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में कक्षा दो के स्तर की पाठ्य सामग्री भी धाराप्रवाह नहीं पढ़ पाते। गौरतलब है कि शिक्षा संबंधी वार्षिक रपट ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ाई-लिखाई के स्तर का मूल्यांकन करने के मकसद से तैयार की जाती है। इसमें मुख्य रूप से बच्चों के पंजीकरण, पाठ पढ़ने और बुनियादी अंकगणित की क्षमता का आकलन किया जाता है। इन सभी स्तरों पर चिंताजनक स्थिति है। सबसे अधिक चिंता चौदह से अठारह वर्ष आयुवर्ग के बच्चों की शिक्षा के स्तर को लेकर जताई गई है। इस आयुवर्ग के बत्तीस फीसद से अधिक बच्चे किसी शैक्षणिक संस्था में पंजीकृत नहीं हैं। जो पंजीकृत हैं, उनमें से ज्यादातर की सीखने और कौशल विकास की क्षमता काफी कमजोर है। इस आयुवर्ग की लड़कियों के पंजीकरण में काफी गिरावट नजर आई है। इसकी कुछ वजहें स्पष्ट हैं। अधिकतर बच्चों के बीच में पढ़ाई छोड़ने का बड़ा कारण परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होना रहा है। उसके बाद स्कूलों की स्थिति ठीक न होना, उनमें बुनियादी सुविधाओं का अभाव आदि अनेक कारण हैं। हालांकि रपट में यह भी कहा गया है कि कोविड़ के बाद बहुत सारे निजी स्कूलों के स्थायी रूप से बंद हो जाने और लोगों की वित्तीय स्थिति ठीक न होने की वजह से बड़ी संख्या में बच्चे सरकारी स्कूलों में वापस लौटे हैं। मगर वहां उन्हें फिर उन्हीं स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, जो दस-बारह साल पहले करना पड़ता था। यानी शिक्षा के स्तर में गिरावट आई है। इस तरह युवाओं में कौशल विकास का संकल्प एक बड़ी चुनौती लगता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों की दशा को अनेक अध्ययनों में चिंता जाहिर की जाती और उन्हें सुधारने के सुझाव दिए जाते रहे हैं। मगर राज्य सरकारें इस तरफ अब तक गंभीर नजर नहीं आतीं। बहुत सारे स्कूलों में छात्रों के अनुपात में अध्यापक तो दूर, एक या दो अध्यापकों से काम चलाना पड़ता है। कई राज्यों ने अध्यापकों की कमी दूर करने के लिए अनुबंध आधार पर पैरा शिक्षकों की भर्ती का रास्ता अख्तियार कर लिया है। नियमित अध्यापकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लगा दिया जाता है। इस तरह अध्यापकों को जितना ध्यान विद्यार्थियों को पढ़ाने और उनके व्यक्तित्व विकास पर देना चाहिए, वे नहीं दे पाते। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पाठ्यक्रम का बोझ कम करने और विद्यार्थी की मूल प्रतिभा को निखारने, उसमें कौशल विकास कर रोजगार की ओर उन्मुख करने पर बल है। मगर जब बच्चे प्राथमिक स्तर की पुस्तकें पढ़ और अंकगणितीय समस्याएं सुलझा पाने में भी फिसड्डी साबित हो रहे हैं, तो उनसे नई शिक्षा नीति पर खरे उतरने की कितनी उम्मीद की जा सकती है।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर सजा बाजार

सजावट एवं पूजा सामग्री वितरित की

टोंक. शाबाश इंडिया। अयोध्या में श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभ अवसर पर महाराणा प्रताप बाजार पुरानी टोंक में व्यापार मंडल की ओर से विशेष सजावट करवाई गई। संयोजक राजेश अरिहंत ने बताया कि सजावट के साथ बाजार की सफाई के लिए अपने स्तर पर व्यवस्था की गई सभी दुकानों के बाहर श्री राम दरबार के बैनर लगाए गए जिससे संपूर्ण बाजार राममय हो गया है अनिल कासलीवाल ने बताया कि बाजार में सफेद हैलोजन एवं एलईडी लाइटों के द्वारा रोशनी की गई स्वचालित लाइटों से सजावट की जा रही है अंकित बम ने बताया कि 22 जनवरी को श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के आयोजन को उत्साह पूर्वक एवं हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए बाजार में स्थित मकान एवं सभी दुकानों पर शनिवार को सामग्री वितरित की गई जिसमें केसरिया ध्वज, तिरंगा झंडा, दीपक- बत्ती, पूजा सामग्री किट, रंगोली के कलर आदि सामान वितरित किए गए इस अवसर पर बाजार के राजेश अरिहंत,हेमंत शर्मा, सतीश सोनी, योगेंद्र साहू, अशोक छाबड़ा, कार्तिक सोनी, नीरज जैन, निर्मल नामा,अनिल जैन,अंकित बम, अनिल कासलीवाल आदि ने मिलकर सामग्री वितरित की निर्मल नामा ने बताया कि महाराणा प्रताप द्वार को विशेष तौर से सजाया गया जिसमें द्वार पर राम दरबार के बड़े-बड़े फ्लेक्स केसरिया ध्वज एवं स्वचालित लाइट लगाई गई है अनिल पारख ने बताया कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात सायंकाल संपूर्ण बाजार में 1100 दीपक जलाए जाएंगे प्रसादी के रूप में लड्डू वितरित किए जाएंगे एवं पटाखे फोड़े जाएंगे।

राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या में सूरत में ''पधारो म्हारा राम'' विराट कवि सम्मेलन डॉ हरिओम पंवार सहित अनेको कवि देंगे प्रस्तुति

सूरत. शाबाश इंडिया। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर सूरत के परवत-गोड़ादरा रोड़-परवत पाटिया विस्तार में टाइम्स स्कावयर के सामने स्थित प्रांगण में रविवार 21जनवरी 2023 को शाम 6 बजे 'पधारो म्हारा राम' विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जानकारी देते हुए आयोजन समिति से जुड़े दिनेश राजपुरोहित व कुंज पंसारी ने बताया कि इस राममय कवि सम्मेलन में देश के ख्यातनाम कविगण अपनी प्रस्तुति देंगे। कवि सम्मेलन में देश के जाने माने ओजस्वी कवि डॉ हरिओम पंवार (मेरठ), गीतों के राजकुमार कहे जाने वाले डॉ विष्णु सक्सेना (अलीगढ़), मशहूर मंच संचालक व ओजस्वी गीतकार शशिकान्त यादव (देवास), विभिन्न टी वी चेनलो पर छाए वीर रस के कवि गौरव चौहान (इटावा), युवाओं में लोकप्रिय नवोदित गीतकार स्वंयम श्री वास्तव (लखनऊ) व ओजस्वी वाणी की धनी गीतकार प्रियंका रॉय (नोएडा) अपनी प्रस्तुति देंगे। ये उल्लेखनीय है कि वीर रस के कवि डॉ हरिओम पंवार का सूरत में लम्बे अंतराल के पश्चात आना हो रहा है। कवि सम्मेलन में प्रवेश पूर्णतया निःशुल्क रहेगा। कवि सम्मेलन में बतौर अतिथि गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सहित कई राजनेता व समाजसेवी उपस्थित रहेंगे।

स्वतंत्रता सेनानी पद्मभूषण श्री राजशेखर बोस

बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी मशहूर स्वतंत्रता सेनानी पद्मभूषण श्री राजशेखर बोस जी ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा से अमिट छाप छोड़ी है और देश के लिए नींव का पत्थर बनकर कार्य किया है। राजशेखर बोस जी नेताजी के बड़े भाई शरत चंद्र बोस जी के साढू थे और स्वतंत्रता संग्राम में इनके अतुलनीय योगदान से भी शायद ही कोई अनभिज्ञ होगा। देश में स्वतंत्रता प्राप्ति से भी पहले प्रथम बार झंडारोहण अनुशीलन समिति के सदस्यों व बोस परिवार द्वारा राजशेखर जी के बोस हाउस में ही फहराया गया जो कि राजशेखर बोस परिवार की शान में एक नायाब उपलब्धि है लेकिन इनकी इतनी पहचान भर ही काफी नहीं है। ये महान वैज्ञानिक भी थे। राजशेखर बोस के बनाये बॉम्ब को ही ऋषि अरविंदो घोष ने अपने भाई के साथ मिलकर 1908 में अलीपुर बॉम्ब केस में इस्तेमाल किया था और इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही ब्रिटिश साम्राज्य इतना हिल गया था कि ब्रिटिशर्स को अपनी राजधानी कोलकाता से दिल्ली बनानी पड़ी। शक के आधार पर क्रांतिकारियों की मदद करने के कारण ब्रिटिश सेना अब इन्हें ज़िंदा पकड़ना चाहती थी लेकिन राजशेखर बोस खुद को ब्रिटिश सेना के चंगुल में ना आने देने के लिये अपने पास सायनाइड रखते थे और अंतिम समय तक भी ब्रिटिश सेना की पकड़ में नहीं आ सके। 16 मार्च 1880 को पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले में जन्मे राजशेखर अपनी माता पिता के छठवीं संतान थे। इनके पिता चंद्रशेखर बोस इनके जन्म के समय बिहार के दरभंगा जिले के राजपरिवार के दीवान थे और दरभंगा के महाराज लक्ष्मीश्वर सिंह जी ने ही इनका नाम राजशेखर रखा था। पर राजशेखर जी हमेशा अपने उपनाम परशुराम से ही जाने गये। स्कूल के दिनों से ही राजशेखर को रसायन शास्त्र में लगाव था और अपने घर को ही लैब बनाकर घर में ही कैमिकल का निर्माण करने लगे। इसके बाद जब ये बंगाल आये तो यहां भी यही स्थिति रही। बी एल की डिग्री अर्जित करने के बाद भी विज्ञान के लिए इनका जुनून बना रहा। इसके बाद राजशेखर जी की मुलाकात बंगाल केमिकल के संस्थापक प्रफुल्ल चंद्र राय जी से हुई जिन्होंने इन्हें अपनी कंपनी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और कुछ ही समय में अपने समर्पण से ये बंगाल कैमिकल के प्रबंधक बने व क्रांतिकारियों को वित्त सहायता, कैमिकल्स और गन्स उपलब्ध कराने लगे राजशेखर जी उत्कृष्ट लेखक और साहित्यकार भी थे। बंगाली भाषा को समृद्ध करने के लिये इन्होंने काफी कार्य किया। इनकी विद्वता को देखकर सिस्टर निवेदिता ने 1906 में राजशेखर बोस जी को राष्ट्रीय शिक्षा परिषद में शामिल होने का आमंत्रण भेजा। 1920 के दशक में राजशेखर जी ने साहित्य की दुनिया में कदम रखा व अपनी अनूठी लेखन शैली के लिए कहानियों पर आधारित इनकी पहली पुस्तक 'गदालिका ' को खूब सराहा गया व 1931 में बंगाली शब्दकोश 'चलंतिका' के प्रकाशन ने उनकी साहित्यिक प्रतिष्ठा को और मजबूत किया। इस शब्दकोश के बाद ही बंगाली शब्द वर्तनी में अभूतपूर्व सुधार हुआ। साथ ही राजशेखर जी ने रामायण, महाभारत व गीता का भी बंगाली में अनुवाद कर बंगाली जनमानस के लिए इसे आसान भाषा में उपलब्ध कराया। सुरेश चंद्र मजूमदार जी के साथ मिलकर राजशेखर जी ने ही पहले बंगाली लाइनोटाइप के निर्माण में योगदान दिया इस नवीन तकनीक से इनकी रचनाएं सबसे पहले मुद्रित हुई जो कि उस समय अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि थी। बंगाली फिल्मों पर भी राजशेखर जी का प्रभाव रहा है। बंगाली फिल्मों के मशहूर निर्देशक सत्यजीत रे ने भी राजशेखर जी द्वारा लिखी कई कहानियों को अपनी फिल्मों का विषय बनाया था जिनमें से प्रमुख थी पारस पत्थर, बिरिन्छ बाबा और चार। अपने समय के राजनीतिक लोगों से भी राजशेखर जी के मधुर संबंध थे। राष्ट्रपति रहे राजेंद्र प्रसाद जी के बड़े भाई महेंद्र प्रसाद जी इनके बचपन के मित्र थे। वहीं रविन्द्र नाथ टैगोर जी भी राजशेखर बोस जी के परम मित्र थे जिन्होंने अपनी लिखी एक कविता तक राजशेखर बोस जी को समर्पित की थी। आचार्य जगदीश चन्द्र बोस, देशबंधु चितरंजन दास जी भी इनके काफी करीबी रहे थे। व डॉ गिरिन्द्र शेखर बोस जो एशियन साइक्लॉजी के पिता माने जाते हैं वह राजशेखर जी के छोटे भाई थे। कह सकते हैं कि राजशेखर जी ने सही मायने में अपने समय में समाज के पुनर्जागरण का कार्य किया और इसलिए ही उन्हें बंगाली साहित्य का स्तंभ भी कहा गया। इनकी उपलब्धियों के लिए राजशेखर बोस जी का नाम हमेशा इतिहास के पन्नों में दर्ज रहेगा।

आलेख : स्वाती जैन, हैदराबाद
7013153327

निर्विघ्न यात्रा के लिए मानसरोवर जयपुर वालों ने प्राप्त किया गुरु माँ का मंगल आशीर्वाद

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) में विराजित गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री शांतिनाथ भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव सानंद मनाया गया। प्रातः कालीन अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात भक्तों ने भक्ति भावों के साथ अष्टद्रव्यमय अर्घ्य समर्पित किये। तत्पश्चात मानसरोवर जयपुर की जैन समाज ने माताजी का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि - व्यक्ति को अपना सोच अर्थवान बनाना चाहिए । अर्थ विहिन सोच निन्दा - उपहास एवं क्लेश का कारण बनता है। व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके सोच पर निर्भर है। जैसा सोच होता है वैसा ही व्यक्तित्व निर्मित होता है, इसलिए जिन्हें अपना व्यक्तित्व श्रेष्ठ बनाना है उन्हें सर्व प्रथम अपना सोच श्रेष्ठ बनाना चाहिए।

मरीजों को शुद्ध और गुणवत्तायुक्त रक्त उपलब्ध कराने पर विशेषज्ञों ने किया मंथन

रक्त की 'नेट' टेस्टिंग पर जोर, सरकार से ब्लड बैंक की माल प्रेक्टिस पर कार्यवाही की मांग

जयपुर. शाबाश इंडिया

ब्लड बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की ओर से शनिवार को जयपुर के रक्त संग्रहण केन्द्र में आईएसबीटी राजस्थान चैप्टर सीएमई का आयोजन किया गया। सीएमई में मरीजों को शुद्ध और गुणवत्तायुक्त रक्त उपलब्ध कराने पर विशेषज्ञों ने मंथन किया। इसके लिए रक्त की न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिकेशन टेस्ट, 'नेट' टेस्टिंग पर जोर दिया गया। साथ ही सरकार से ब्लड बैंक की माल प्रेक्टिस पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कार्यवाही की मांग की गई। राजस्थान में ट्रांसफ्युजन मेडिसिन एक परिहष्य विषय पर आयोजित इस सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यशाला (सीएमई) में जयपुर के अलावा प्रदेश के अनेक शहरों में संचालित सरकारी और निजी ब्लड बैंक्स के प्रतिनिधि चिकित्सकों ने भाग लिया। सीएमई का उद्घाटन जोधपुर के एम्स के अध्यक्ष और राजस्थान अस्पताल, जयपुर के चेयरमेंन डॉ. एस एस अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि हर मरीज को सुरक्षित रक्त मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए ब्लड बैंक्स को निर्धारित मानकों का शत प्रतिशत पालन करना चाहिए। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि सरकार और ब्लड बैंक्स के लिए सरकार की ओर से मॉनीटरिंग संस्था, ड्रग कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन को अपने उत्तरदायित्व को निभाना होगा। साथ ही सोसायटी को भी अपनी भूमिका का सक्रिय निर्वहन करना होगा। सीएमई के मुख्य वक्ता और ब्लड बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के सेकेट्री डॉ. हिमांशु शर्मा ने टेस्टिंग किट्स के उच्च मानक युक्त होने की बात कहते हुए सभी ब्लड बैंक्स को इसे अपनाने की बाद्यता पर बल दिया, ताकि सभी रक्त उपभोक्ताओं को सुरक्षित रक्त मिल सके। साथ ही उन्हें ब्लड के ट्रांसमिशन से हेपेटाइटिस-बी और हैपेटाइटिस- सी तथा एच आई वी एड्स जैसी घातक बीमारियों के खतरे से बचाया जा सके। डॉ. शर्मा ने कहा कि दानदाता से लिए गए रक्त की जांच में सुरक्षा मानकों के उच्च गुणवत्ता युक्त नहीं होने से आम मरीजों के साथ साथ केंसर, थैलेसीमिया और हीमोफीलिया जैसी बीमारियों से ग्रस्त मरीजों को बड़े खतरे से जूझना पड़ सकता है। इन सभी परेशानियों से बचने के लिए उन्होंने न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिकेशन टेस्ट (नेट) की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि यह जांच अभी भारत में संचालित 5 हजार से ज्यादा ब्लड बैंक्स में से केवल 200 ब्लड बैंक में ही हो रही है। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता ने की।

जोहड़े वाले बालाजी मंदिर प्रांगण में होगा अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन

राम मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भव्य रोशनी, आकर्षक सजावट व रंगोली से सजाया जाएगा मंदिर परिसर

लक्ष्मणगढ़, सीकर

कस्बे के तोदी कॉलेज रोड़ स्थित जोहड़े वाले बालाजी मंदिर प्रांगण में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस उपलक्ष पर मंदिर कमेटी सदस्यों के द्वारा बुधवार को मीटिंग का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए पिंटू सुरेका व मोतीलाल जोशी ने बताया कि 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में होने वाले राम मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 21 जनवरी को मंदिर परिषर में अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व मंदिर परिसर में रंगोली, रोशनी व भव्य सजावट की जाएगी एवं अखण्ड रामायण पाठ के समापन पर प्रसाद का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर गणेश जोशी, अनमोल सुरेका, अमित सोनी, सांवरमल शर्मा, महेंद्र घासोलिया, सुरेंद्र गुर्जर, जितेंद्र कुमावत, विकास सैनी, महेश तंवर, रवि सैनी मौजूद रहे।

पौष बड़ो का आयोजन

श्रद्धालुओं ने जीमी प्रसादी- सजी भोलेनाथ की झांकी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जौहरी बाजार के हल्दियों का रास्ता के मनीराम जी की कोठी स्थित शीतलेश्वर महादेव मंदिर में पौष बड़ों का आयोजन किया गया। इस मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। समाजसेवी कैलाश चन्द माणक चन्द रमेश ठोलिया परिवार की ओर से आयोजित इस धार्मिक आयोजन में भक्ति संगीत की लहरियों में श्रद्धालु झूम उठे। इस मौके पर भगवान भोलेनाथ की मनोरम झांकी सजाई गई। आयोजन से जुड़े समाजसेवी रमेश ठोलिया ने बताया कि आयोजन में पत्तल प्रसादी के तहत हलवा, बड़े, पूरी सब्जी बनाई गई। मंदिर में हर साल पौष बड़ों का आयोजन किया जाता है तथा झांकी सजाई जाती है। भक्त गण दूर दूर से भक्ति संगीत में शामिल होने तथा प्रसादी ग्रहण करने आते हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

चंद्रेश्वर महादेव मंदिर में पौषबड़ा महोत्सव आयोजित

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे के पंचायत भवन के पास चंद्रेश्वर महादेव मंदिर में शनिवार को पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन हुआ। दोपहर से सुंदरकांड के पाठ किए गए जिसके बाद महाआरती और पौषबड़ो का भोग लगाकर प्रसादी वितरित कि गई। इस दौरान प्रकाश प्रजापत,हरदेव कुमावत, केशवदास स्वामी,अनिलदास स्वामी,गोविंद सिंह,लक्ष्मण सारण,रणजीत सिंह, देवाराम, जीतू खाती, रामदेव मीना, चिरंजीलाल गणेश, ओमप्रकाश जांगिड़,राधेश्याम अग्रवाल, श्रवण डोगीवाल, कृष्णा आदि मौजूद रहे।

उत्तम जैन को कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिव्यांगो के क्षेत्र में सक्रिय एवं लगातार 10 वर्षो से कार्य कर रहे उम्मीद हेल्पलाइन फाउंडेशन के अध्यक्ष उत्तम जैन एवं दिव्यांग जगत पत्रिका के सम्पादक को सक्षम संस्था द्वारा आयोजित प्रांत अधिवेशन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत एवं सक्षम संस्था के राजस्थान प्रदेश सचिव डॉ. कुलदीप मिश्रा द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया।उत्तम जैन विगत कई वर्षों से दिव्यांगो की समस्याओं से सरकार को अवगत करवाते रहे हैं और उन समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहते हैं। उत्तम जैन को पूर्व में भी राजस्थान सरकार द्वारा 2016 एवं 2022 में सम्मानित किया जा चुका हैं।

रोटरी क्लब दो दिवसीय नवोत्सव का शुभारंभ

सुविख्यात स्पीकर्स ने दिया उद्बोधन, बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल रहीं मुख्य आकर्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन की ओर से झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में दो दिवसीय डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस नवोत्सव का आगाज हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन कांफ्रेंस के विभिन्न सत्रों में विख्यात स्पीकर्स ने उपस्थित लोगों के समक्ष अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान ही टॉक-शो हुआ जिसमें अभिनेत्री अमीषा पटेल ने अपने फिल्मी सफर के बारे में बताया। प्रथम दिवस के सत्रों का शुभारंभ रोटेरियन पीडीजी डॉ. सुब्रमण्यन ने किया। डॉ. सुब्रमण्यन ने रोटरी क्लब की स्थापना, उद्देश्य और क्रिया-कलापों के बारे में जानकारी दी। अध्यात्म गुरु पुण्डरीक गोस्वामी ने जीवन के आध्यात्मिक मूल्य बताते हुए जीवन में सेवा का महत्व बताया। डॉ. राजीव पूरी ने ट्रांसफॉर्म टू परफॉर्म, हिप्नोटिज्म काउन्सलर एंड लाइफ कोच नवनाथ गायकवाड़ ने ने द पॉवर ऑफ सब कॉनसीयस माइंड विषय पर उपस्थितजनों को उद्बोधन दिया। रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ने बताया कि नवोत्सव का समापन रविवार को होगा। आज डेटा इंफोसिस के सीएमडी अजय डाटा वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व और मैनेजमेंट गुरु रोटेरियन सौरभ जैन जॉय ऑफ गिविंग पर अपना उद्बोधन देंगे। मैनेजमेंट गुरु एन. रघुरमन खुशहाल जीवन जीने का मंत्र देंगे। स्वास्थ्य विषय पर एक टॉक शो भी आज आयोजित होगा। फिल्म अभिनेता अन्नू कपूर आज का मुख्य आकर्षण होंगे। कॉन्फ्रेंस में आरआई प्रेसिडेंट रोटेरियन गॉर्डन मैक्नाली, आरआईपीआर रोटेरियन पंकज शाह, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन डॉ. निर्मल कुमावत, डिस्ट्रिक्ट लर्निंग फैसिलिएटर रोटेरियन अशोक गुप्ता, कांफ्रेंस एडवाइजर रोटेरियन अजय काला, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी रोटेरियन दीपक सुखाडिया, असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन अशोक जैन कोटलर, कॉन्फ्रेंस चैयरमेन रोटेरियन सुधीर जैन गोधा, कांफ्रेंस सेक्रेटरी रोटेरियन सीए मनोज जैन, कॉन्फ्रेंस वाईस चैयरमेन रोटेरियन दिनेश बज, कॉन्फ्रेंस एडवाइजर रोटेरियन अमित अग्रवाल, रोटेरियन प्रमोद जैन, क्लब प्रेसिडेंट रोटेरियन राजेश गंगवाल, रोटेरियन कमल बड़जात्या और रोटेरियन संजय अग्रवाल सहित प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

कहो ना प्यार है से शुरू हुआ फिल्मी सफर : अमीषा

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल से रोटेरियन अजय काला ने बातचीत की। अमीषा ने अपने फिल्मी सफर के बारे में बात करते कहा कि उन्होंने ब्लॉकबस्टर रोमांटिक थ्रिलर फिल्म कहो ना प्यार है से अपने अभिनय की शुरूआत की। उन्होंने बताया कि 2001 में प्रदर्शित गदर : एक प्रेम कथा और 2023 में रिलीज गदर-2 हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई। उन्होने कहा कि कुछ तेलुगु और तमिल फिल्मों में भी अभिनय किया है और एक फिल्मफेयर स्पेशल परफॉर्मेंस पुरस्कार भी जीता है। इसके बाद अमीषा ने पुरस्कार वितरित किए। म्यूजिकल नाईट में संपदा गोस्वामी, राजेश अय्यर और सर्वेश मिश्रा ने 70 के दशक के यादगार नगमे सुना श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया।

ओल्ड ईदगाह कॉलोनी जैन मंदिर में निकली श्रीजी की नवीन रजत पालकी शोभायात्रा

आगरा. शाबाश इंडिया। 20 जनवरी को सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज के आशीर्वाद से गणिनी आर्यिका श्री 105 आर्षमति माताजी ससंघ के सानिध्य एवं श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर ओल्ड ईदगाह कॉलोनी के तत्वावधान में श्रीजी की पालकी शोभायात्रा एवं अभिषेक एवं शांतिधारा कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ किया गया ।भक्तों ने सर्वप्रथम मंदिर परिसर से गुरुमांसंघ के सानिध्य में श्रीजी की प्रतिमा को नवीन रजत पालकी में विराजमान कर भव्य बैंड बाजों के साथ शोभायात्रा निकाली ।शोभायात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर विभिन्न विभिन्न मार्गो से होती हुई श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर ओल्ड ईदगाह कॉलोनी पहुंची। पालकी शोभायात्रा में बड़ी संख्या में भक्त नृत्य करते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा का जगह-जगह भक्तों ने श्रीजी की मंगल आरती कर स्वागत किया। शोभायात्रा के मंदिर पहुंचने पर सौभाग्यशाली भक्तों ने गुरुमां के उच्चरित मंत्रो के साथ श्रीजी की प्रतिमा को पांडुक शिला में विराजमान कर अभिषेक एवं शांतिधारा की मांगलिक क्रियाएं संपन्न कीं। साथ ही भक्तों ने आर्यिका श्री आर्षमति माताजी के समक्ष श्रीफल एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।इस दौरान ओल्ड ईदगाह कॉलोनी जैन समाज का उत्साह देखते ही बन रहा था ।कार्यक्रम के मध्य में भक्तों को गुरुमां की मंगल वाणी श्रवण करने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की व्यवस्था ज्ञानार्ष महिला मंडल ओल्ड ईदगाह कॉलोनी द्वारा संभाली गई। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि दोपहर 2:00 बजे गणिनी आर्यिका श्री आर्षमति माताजी ससंघ का ओल्ड ईदगाह कॉलोनी जैन मंदिर से भरतपुर राजस्थान के लिए मंगल विहार हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम में राजकुमार जैन,अतुल जैन,प्रवेश जैन,शुभम जैन,दीपा जैन, पायल जैन,रानीका जैन,समग्र ओल्ड ईदगाह कॉलोनी जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

रिपोर्ट : शुभम जैन

नेट थिएट पर राम की लोकनायकता

भगवान श्री राम का चरित्र समाज के लिए एक आदर्श, वनपथ से राजपथ तक लोकनायक का लोकमंगलकारी यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएटर कार्यक्रमों की श्रखला में आज मर्यादा पुरुषोत्तम राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर डॉ रानी दाधीच ने राम की लोकनायता का वर्णन किया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि अयोध्या में मंदिर का निर्माण और मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के बाल स्वरुप में प्राण प्रतिष्ठा देश में एक नयी ऊर्जा का संचार कर रहे है। इसी के अंतर्गत डॉक्टर रानी दाधीच राम की लोकनायकता पर विचार प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में बताया कि वाल्मीकि ने रामायण में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के चरित्र को 24000 श्लोकों में वर्णित किया है ।यह राम कथा परिवार,समाज तथा राष्ट्र के परिप्रेक्ष्य में प्रभु श्री राम के चरित्र का वर्णन करती है। आदर्श पुत्र, भ्राता,पति एवं राजा के रूप में राम का चरित्र समाज के लिए एक आदर्श उपस्थापित करता है। कार्यक्रम का संचालन मनोज स्वामी ने किया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, संगीत सागर गढ़वाल, मंच सज्जा फाइन आर्ट एवं प्रकाश जीवितेश शर्मा कैमेरा अंकित शर्मा नोनू की रही।

पोदार क्रिकेट प्रीमियर लीग का ग्रैंड फिनाले के साथ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सी स्कीम के पोदार जंबो किड्स के मैदान पर चल रहे पोदार प्रीमियर क्रिकेट लीग का समापन आज हुआ। पीपीएल-2024 का खिताब कैरवी स्टार्स ने जीता,जबकि पीपीएल के मैन ऑफ द सीरीज ०मैन ऑफ द मैच अमन शर्मा रहे। स्कूल के चेयरमैन राघव पोदार के निर्देशन में हुई इस लीग में विद्यार्थियों में खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंत में सभी विजेताओं को ट्रॉफी व आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। चेयरमैन राघव पोदार ने बताया कि मुख्य अतिथि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चेयरमैन राहुल कांवट रहे। इस मौके पर स्कूल की सभी ब्रांचों के अभिभावकों ने इस लीग का आनंद उठाया।इस दौरान पोदार वर्ल्ड स्कूल प्रिंसिपल सुमिता पी. मिन्हास, पोदार जंबो किड्स जयपुर की सभी शाखाओं की प्रधानाचार्या, मेघा त्यागी, रुचि जैन, सुश्री मधु भारती, जागृति पाठक ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और ताजपोशी की। उन्होंने बताया कि फादर्स लीग के एक आकर्षण, में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसमें जयपुर में पोदार की सभी शाखाओं नें प्रतियोगिता में योगदान दिया।